



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—भाग 3—उप-वर्ग (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 433]
No. 433]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1987/भार 4, 1909
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1987/BHADRA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रया दी जाती है जिससे कि यह अलग तंत्रयान के क्षेत्र में
लक्ष द्वारा सर्वोत्तम

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उत्तेज और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

(कंपनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1987

प्रादेश

का. ना. 796 (प्र) :—कंपनी विधि बोर्ड का यह समाधान हो गया है कि लोक हित में यह अवश्यक है कि एप्लूयूल एण्ड कंपनी लि. जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है और इसको छह समनुवृत्ति कार्य कंपनियों प्रशासन बानर-हाट दी कंपनी लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1882 (1882 का 6) के अधीन निगमित कंपनी है, बासमतिया दी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है हूलगूरी दी कंपनी लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1866 (1866 का 10) के अधीन निगमित कंपनी है, दि निम दी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1866 (1866 का 10) के अधीन निगमित कंपनी है। दि मरकुलानी (मस्म) दी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है और राजगढ़ दी कं. लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी प्रधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है, का इन

सातों कंपनियों में से प्रत्येक के कंपनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 3 के अर्थात् कंपनी होने के कारण एकल कंपनी में समावेश कर दिया जाए ;

और प्रस्तावित आदेश के प्रालंप की प्रति उपर्युक्त कंपनियों अर्थात् बानरहाट दी कंपनी लिमिटेड, दि बासमतिया दी कंपनी लिमिटेड, दि हूलगूरी दी कंपनी लि., दि निम दी कंपनी लिमिटेड, दि मरकुलानी (मस्म) दी कंपनी लिमिटेड, राजगढ़ दी कंपनी लिमिटेड और एप्लूयूल एण्ड कंपनी लिमिटेड को मेज दी गयी थी और कुछ शेयरधारकों से प्राप्त शासें और सुझावों पर कंपनी विधि बोर्ड ने विचार कर दिया है ;

अतः प्रब, कंपनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की प्रधिनियमना वि. सा. का. नि. 443 (प्र), तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कंपनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) प्रीर (2) द्वारा प्रदत्त शासितयों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम दि बानरहाट दी कंपनी लिमिटेड, दि बासमतिया दी कंपनी लि., दि हूलगूरी दी कंपनी लिमिटेड, दि निम दी कंपनी लिमिटेड, दि मरकुलानी (मस्म) दी कंपनी लिमिटेड, दि राजगढ़ दी कंपनी लिमिटेड और एप्लूयूल एण्ड कंपनी लिमिटेड (समावेश) आवेद्य, 1987 है ।

2. परिभाषाएँ :—इस आदेश में, यह तरफ कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिवेत है, जिस को यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया गया है;

(ख) “विविट कंपनियों” से वि बान रहाट टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “बान रहाट” कहा गया है), दि बासमतिया टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “बासमतिया” कहा गया है), कि इलंगूरी टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “इलंगूरी” कहा गया है), दि निम टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “भिम” कहा गया है), वि भरकुलानी (प्रसम) टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “भरकुलानी” कहा गया है), और राजगढ़ टी कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “राजगढ़” कहा गया है) अभिवेत हैं;

(ग) “परिणामी कंपनी” से एन्ड्रूल एण्ड कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “पूल” कहा गया है) अभिवेत है।

3. कंपनियों का समावेशन :—(1) नियत दिन से ही विविट कंपनियों का संपूर्ण कारबाह और उपकरण, जैसा है जहाँ है की दशा में उनके विवरणों में यदि कोई हों, के प्रधीन मध्य जंगम और स्थावर संपत्तियों, और अन्य आस्तियों, वहाँ किसी भी प्रकृति की हों, जिनके प्रत्यानीन आवृत्तिगत और अन्य प्रत्यानियाँ और प्रधिकार, कोटा अधिकार, अपापार बिल्ड और अन्य औरीं अवैधति अवैधति, अधिकार पट्टे और अभिवृति अधिकार, सभी कारणों के फायदे, संविदाएँ, अवश्यात् और सभी अन्य निति, प्रत्येक प्रकार, प्रकृति और वर्णन के अधिकार और शक्तियाँ, (ऐसे सभी कारबाह उकानों, संगठितों, आस्तियों, अधिकारों, अनुसन्धियों, संविदाओं और शक्तियों को संयोजित के लिए इसमें इसके पश्चात् संमिलित रूप से “उपकरण” कहा गया है) विता किसी और कार्य या विलेख के होगा और यह यूल को अन्तरित और उसमें निहित हो जाएंगी और कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 और अन्य लागू उपबंधों, यदि कोई हों, के अनुसन्धान में किसी अन्य कारबाह या विलेख के बिना यूल को अन्तरित हो जाएंगी, जिसके कि वे यूल के अद्य और वापिल कर्तव्य और वाव्यताएँ देन सकें।

(2) नियन दिन से ही सभी रुहा वापिल (आवृत्ति हो अन्यथा) विविट कंपनियों के कर्तव्य और बाध्यताएँ, जिनके प्रत्यानीन वंधकों, संविधान आडान वस्तावों के अधीन कंपनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 4क में यथा परिभाषित किसी लोक, वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत, अप्रतिभूत अद्य भी है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 के उपबंधों और अन्य लागू उपबंधों, यदि कोई हो, के अनुसन्धान में किसी अन्य कारबाह या विलेख के बिना यूल को अन्तरित हो जाएंगी और यूल 31 मार्च, 1986 को लेवारपरीदिन तुलन-गतों के अनुसार सनसा आस्तियों और वापिलों का अधिग्रहण कर लेंगी और उनके पश्चात् सभी संविधानों के लिए पूर्ण वापिल करेंगी।

(3) लेखा प्रयोजनों के लिए समावेशन विविट कंपनियों के 31 मार्च, 1986 को लेवारपरीदिन लेखाओं और युल वर्षों के संदर्भ में प्रधानी होगा और उनके पश्चात् के नव्यवृत्तों को यूल के लेखों में माना जायेगा। विविट कंपनियों से किसी पश्चात्वार्ती तरीख को प्रपत्ता अंतिम लेखा तैयार करने की प्रयोक्ता नहीं की जाएगी और यूल 31 मार्च, 1986 को लेवारपरीदिन तुलन-गतों के अनुसार सनसा आस्तियों और वापिलों का अधिग्रहण कर लेंगी और उनके पश्चात् सभी संविधानों के लिए पूर्ण वापिल करेंगी।

स्पष्टोकरण :—“विविट कंपनियों के वक्तव्यविवरों” के अंतर्गत सभी अधिकार, शक्तियाँ, प्रधिकार और विशेषाधिकार तथा सभी जंगम और स्थावर संपत्ति जिसमें नकद अक्षियों, प्राप्तिसन्धि, राजसंदर्भ अंतिम विनियान और नियन दिन से ठीक पूर्व विविट कंपनियों की या उनके कब्जे में की ऐसी संपत्ति में या उन से उद्भूत सभी अन्य हित और अधिकार, और विविट कंपनियों की तत्सन्धि विधान सभी विविट, लेके और उनसे

संबंधित वस्तावेज तथा सभी अद्य वापिल, कर्तव्य और बाध्यताएँ, वहाँ किसी भी किसी की हों, समिलित होंगी।

4. सम्पत्ति की कल्पित मदों का अंतरण :—इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियन दिन को विविट कंपनियों के साथ या हानिया, या दोनों, यदि कोई हों, और विविट कंपनियों की, जब वे परिणामी कंपनी, अर्थात् यूल को अंतरित की जाएँ राजस्व आरक्षितियाँ या बाटे या दोनों, यदि कोई हों, कमाया यूल के व्याप्तिस्थिति साथ या हानि और राजस्व आरक्षितियों या बाटे, का भाग बनेंगे।

1 अप्रैल, 1986 से ही नियन दिन तक, विविट कंपनियों के बारे में यह समझा जाएगा कि वे प्रपत्ता कारबाह और कियाकलाप यूल के लिए और उसकी और से तथा उसके साथ के लिये और उसके मध्ये चला रही है।

5. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति :—इस आदेश में अन्तरित अन्य उपर्योगों के प्रधीन रहने हुए, नियन दिन के ठीक पूर्व विवाहान या प्रधानी सभी संविदाएँ, विलेख, बंधपत्र, सभी प्रकार के कागज और अन्य लिखते, जिनकी विविट कंपनी प्रधानार थीं, पूर्णतः प्रवृत्त रहेंगी और वे यूल के विविट या उनके पश्चात् में प्रधावार रहेंगी और उन्हें इस रूप में पूर्णतः प्रवृत्त और प्रधानी किया जा राकेगा मानो विविट कंपनियों की बजाए यूल उनकी प्रधानार हों।

6. विधिक कार्यवालियों की व्यावृत्ति :—यदि नियन दिन को विविट कंपनियों द्वारा या उनके विविट कोई बाद अभियोजन, अपील या अन्य किसी भी प्रकार विधिक की कार्यवाली लंबित है तो वह विविट कंपनियों के उपर्योगों के यूल को अंतरण या इस आदेश में अन्तरित किसी और उनके बारे में प्रधावार रहेंगी और उन्हें इस रूप में पूर्णतः प्रवृत्त और प्रधानी किया जा राकेगा मानो विविट कंपनियों की बजाए यूल उनकी प्रधानार हों।

7. विविट कार्यवालियों में ये यावधारकों के अधिकार :—

(क) बानरहाट 97,02,400 रु. की विविट और अभिन्न शेयर पूर्जी निम्नलिख में हैं :—

(i) 4,00,000 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 4,000 पूर्जीतः संदर्भ 61/2 प्रतिशत आवाकर मुक्त संचयी प्रधन अधिमानी शेयरों में विभाजित हैं, (ii) 11,12,400 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 11,124 पूर्जीतः संदर्भ 9.3% संचयी द्वितीय अधिमानी शेयरों में विभाजित हैं; और (iii) 81,90,000 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 81,900 पूर्जीतः संदर्भ साधारण शेयरों में विभाजित हैं।

उपर्युक्त कुल शेयरों में से बानरहाट की पूर्जीतः संदर्भ पूर्जी में 1,783 पूर्जीतः संदर्भ 61/2% आवाकर मुक्त संचयी प्रधन अधिमानी शेयर, 1,865 पूर्जीतः संदर्भ 9.3% संचयी द्वितीय अधिमानी शेयर और 41,582 पूर्जीतः संदर्भ साधारण शेयर द्वितीय अधिमानी शेयरों में विभाजित हैं। परिणामतः यूल की पूर्जी में उपरोक्त 1,783 61/2% आवाकर मुक्त संचयी प्रधन अधिमानी शेयर, 1,865 9.3% प्रतिशत संचयी द्वितीय अधिमानी शेयर की उम्मीद पूर्जीतः श्रृंखलियों के और बानरहाट की पूर्जी में 41,582 साधारण शेयरों की उपर्युक्त श्रृंखलियों के संबंध में कोई शेयर विभाजित नहीं किया जाएगे तथा इन आदेश के आधार पर उपर्युक्त शेयर रहे हों जाएंगे।

शेयर 2,217 61/2% आवाकर मुक्त संचयी प्रधन अधिमानी शेयरों, 8,259 9.3% संचयी द्वितीय अधिमानी शेयरों और बानरहाट की पूर्जी में 40,314 साधारण शेयरों के संबंध में यूल नियन दिन के पश्चात् 2,217 6 1/2% आवाकर मुक्त संचयी प्रधन अधिमानों शेयरों के संबंधित

प्रारकों को समरूप्य पर आवंटन कर निर्मित समानुसार में निर्मित करेगी—
(i) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के पूर्णतः संदर्भ 6 1/2 % आयकर-मुक्त संचयी प्रथम अधिमानी शेयर के लिए यून में प्रत्येक 100 रु. का 1 पूर्णतः संदर्भ 6 1/2 % आयकर मुक्त संचयी प्रथम अधिमानी शेयर, (ii) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के पूर्णतः संदर्भ 9.3 % संचयी द्वितीय अधिमानी शेयर के लिए यून में प्रत्येक 100 रु. का 1 पूर्णतः 9.3 % संचयी द्वितीय अधिमान शेयर और (iii) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के 10 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 314 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर 1 ये नियत दिन के ठीक पूर्व को बानरहाट के संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने की बाबत उनके द्वारा घासित होंगे।

बासमतिया— निर्मित और अभिदृश शेयर पूंजी 1,83,600 रु. प्रत्येक 10 रु. के 1,83,600 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपर्युक्त कुल शेयरों में से, बासमतिया की संदर्भ पूंजी में 95,228 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर नियत दिन को यूल द्वारा घासित है। परिणामतः बासमतिया की पूंजी में यूल की उपर्युक्त घृतियों में 95,228 साधारण शेयरों के संबंध में उसकी पूंजी में शेयरों में कोई निर्मित नहीं होगा और बासमतिया की पूंजी के उपर्युक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रह हो जाएगे।

बासमतिया की पूंजी में शेयर 88,372 साधारण शेयरों का जहां तक संबंध है, यूल नियत दिन के पश्चात बासमतिया में दूसोंका 88,372 साधारण शेयरों के धारकों को नियत दिन के ठीक पूर्व तारोब को बासमतिया के संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने को बाबत उनके द्वारा घासित बासमतिया प्रत्येक 10 रु. के 25 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के समानुपात में साधारण शेयर सममूल्य पर आवंटित कर निर्मित करेगा।

हूलंगूरी— 17,40,000 रु. की निर्मित और अभिदृश पूंजी प्रत्येक 100 रु. के 17,400 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपर्युक्त कुल शेयरों में से, हूलंगूरी की समावृत्त पूंजी में 9,868 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर नियत दिन को यूल द्वारा घासित है। परिणामतः हूलंगूरी की पूंजी में पूर्वोक्त 9868 साधारण शेयरों को होलिङ की बाबत यूल की पूंजी में शेयरों का कोई निर्मित नहीं होगा और पूर्वोक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएगे।

हूलंगूरी की पूंजी में शेयर 7,532 साधारण शेयरों का जहां तक संबंध है, यूल नियत दिन के पश्चात हूलंगूरी में उपर्युक्त 7,532 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारोब को हूलंगूरी के संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने की बाबत उनके द्वारा घासित हूलंगूरी में प्रत्येक 100 रु. के 10 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के लिए यूल में प्रत्येक 10 रु. के 70 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के समानुपात में यूल में साधारण शेयर सममूल्य पर आवंटित कर निर्मित करेगी।

मिम— 4,77,000 रु. की निर्मित और अभिदृश शेयर पूंजी प्रत्येक 100 रु. के 4,770 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपर्युक्त कुल शेयरों में से, मिम की समावृत्त पूंजी में 2,055 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर और 450 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर नियत दिन को क्रमशः यूल और बानरहाट द्वारा घासित है। परिणामतः मिम की पूंजी में 2,055 साधारण शेयरों की उपर्युक्त घृतियों की बाबत यूल की पूंजी का कोई निर्मित नहीं होगा और उपर्युक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएगे।

बूकि इस आदेश के आधार पर बासमतिया उपकम यूल में निहि त हो गया है भ्रतः मिम की पैर पूंजी में बानरहाट के 450 साधारण शेयरों की दूसोंका यूत रद्द हो जाएगी और इस आदेश के आधार पर यूल के साथ मिम के समावेलन के कारण यूल द्वारा शेयरों का कोई निर्मित नहीं किया जाएगा।

मिम की पूंजी में शेयर 2,265 साधारण शेयरों का जहां तक संबंध है, यूल नियत दिन के पश्चात मिम में उपर्युक्त 2,265 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन के ठीक पूर्व तारोब को मिम संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने की बाबत उनके द्वारा घासित मिम में प्रत्येक 100 रु. के 100 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के लिए यूल में प्रत्येक 10 रु. के 38 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के समानुपात यूल में साधारण शेयर सममूल्य पर आवंटित कर निर्मित करेगी।

मरकुलानी— 10,00,000 रु. की निर्मित और अभिदृश शेयर पूंजी निम्न इस प्रकार है— (i) प्रत्येक 10 रु. के 20,000 पूर्णतः संदर्भ अधिमानित साधारण शेयरों में 2,00,000 रु. विभाजित है; और (ii) 10 रु. प्रत्येक के 80,000 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों में 8,00,000 रु. विभाजित है।

उपर्युक्त कुल शेयरों में से, मरकुलानी की पूंजी में 11,676 पूर्णतः संदर्भ अधिमान साधारण शेयर और 47,863 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर नियत दिन को यूल द्वारा घासित है। परिणामतः मरकुलानी की पूंजी में 11,676 अधिमान्य साधारण शेयरों और 47,863 साधारण शेयरों की उपर्युक्त होलिङ की बाबत यूल की पूंजी में शेयरों का कोई निर्मित नहीं होगा और उपर्युक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएगे।

मरकुलानी की पूंजी में, जहां तक शेयर 8,324 अधिमानित साधारण शेयरों और 32,137 साधारण शेयरों का संबंध है, यूल नियत दिन के पश्चात मरकुलानी में उपर्युक्त 8,324 अधिमानित साधारण शेयरों और 32,137 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारोब को मरकुलानी के संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने की बाबत उनके द्वारा घासित— (i) मरकुलानी में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदर्भ अधिमानित साधारण शेयरों के लिए यूल में 10 रु. प्रत्येक के 23 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों और (ii) मरकुलानी में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के लिए यूल में 22 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के समानुपात में यूल में साधारण शेयर सममूल्य पर आवंटित करेगो।

राजगढ़ 24,00,000 रु. की निर्मित और अभिदृश शेयर पूंजी प्रत्येक 10 रु. के 1,40,000 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों में विभाजित है। उपर्युक्त कुल शेयरों में से, राजगढ़ की समावृत्त पूंजी में 1,76,908 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयर नियत दिन को यूल द्वारा घासित किए गए हैं। परिणामतः राजगढ़ की पूंजी में 1,76,908 साधारण शेयरों को यूल की उपर्युक्त होलिङ की बाबत यूल की पूंजी में शेयरों का कोई निर्मित नहीं होगा और उपर्युक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएगे।

राजगढ़ की पूंजी में जहां तक शेयर 63,092 साधारण शेयरों का संबंध है, यूल नियत दिन के पश्चात राजगढ़ में उपर्युक्त 63,092 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारोब को राजगढ़ के संबंधित शेयर स्टिकिट यूल को देने की बाबत उनके द्वारा घासित राजगढ़ में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के लिए यूल में प्रत्येक 10 रु. के 40 पूर्णतः संदर्भ साधारण शेयरों के अनुभाव में यूल में साधारण शेयर सममूल्य पर आवंटित कर निर्मित करेगी।

(x) यूल द्वारा इस प्रकार निर्मित और आवंटित अधिमानी और साधारण शेयर सभी मामलों में यूल के विवरण निर्मित अधिमानी और साधारण शेयरों की समान शेयरों के होंगे।

(ग) यदि उपर्युक्त उपचारण (क) के निवधनों के अनुसार यूल द्वारा शेयरों के आवंटन में भाग अंतर्भूत हों, तो प्रत्येक विषटित कंपनी की बाबत ऐसे भागों को समेकित किया जाएगा और इस प्रकार समेकित शेयर यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा यूल के अनेक निवेशकों या कर्मचारियों में किसी एक को आवंटित किये जाएंगे, जो उक्त समेकित शेयरों का ऐसी कीमत या कीमतों पर और उसे निवधनों तथा शर्तों पर विक्रय करेंगे जो यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जाए और प्रत्येक विषटित कंपनी की बाबत उसके शुद्ध विक्रय आगम उन विषटित कंपनियों में शेयरों के संबंध शेयरधारकों के बीच बाट दिए जाएंगे, जो ऐसा नहीं होने पर अपने शेयरों के अनुपात में ऐसे भागों के हकदार बने होते।

(घ) विषटित कंपनियों के अधिकारी सदस्य को यूल द्वारा अधिकारी सामाजिक शेयरों का आवंटन और उपर्युक्त उपचारण (क) और (ग) के अनुसार संदाय विवेसी मुद्रा विनियम अधिनियम 1971 (1973 का 46) के प्रधीन भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन के अधीन किया जाएगा।

(इ) यूल नये शेयरों के आवंटन और उपर्युक्त उपचारण (ग) में उपर्युक्त रीति से प्रागिक शेयरों के निवेशक की विषटितियां देते हुए एक सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित करायेगी और प्रत्येक विषटित कंपनी के (यूल को छोड़कर, विषटित बाबरहाट में उसकी धृतियों के संबंध में और निन में उसकी धृतियों के संबंध में) प्रत्येक शेयरधारक को, जिसका नाम उपर्युक्त उपचारण (क) में निविट तारीख को विषटित कंपनियों के सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज है, रजिस्ट्रीकूट बाक से भेज देगी। उपर्युक्त सूचना में यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा नियत की जाने वाली उस तारीख का भी उल्लेख रहेगा, जिसके भीतर विषटित कंपनियों के (यूल को छोड़कर, निन में उसकी धृतियों के संबंध में) संबंधित शेयरधारक विषटित कंपनियों में शेयरों के लिये संबंधित प्रमाणपत्र यूल को बापस कर देंगे और इस तरह बापस करने पर यूल-(i) उन्हें उपर्युक्त उपचारण (क) के प्रधीन आवंटित यूल में शेयरों के लिये प्रमाणपत्र जारी करेंगी, और (ii) जहां देय हो, उपर्युक्त खण्ड (ग) के निवधनों के अनुसार, भुगतान करेंगी।

यूल द्वारा कन से कम यो सभाचार पत्रों में (जिनमें से एक शेषोंय भाषा में होगा) विषटित कंपनियों के शेयरधारकों को शेयरों के आवंटन की सूचना के प्रेषण को अवैधतिक करते हुए, एक सूचना भी प्रकाशित की जायेगी। विषटित कंपनियों के शेयरधारकों को, जिसके नाम समाप्तन की स्कीम के अनुसार पूर्वोक्त विन को सदस्यों के रजिस्टर में हों, यूल द्वारा नये शेयर नियंत्रित करने पर विषटित कंपनियों में उनके द्वारा आवित शेयरों के संबंध में शेयर प्रमाणपत्र रद्द हो गये जाने जायेंगे और विषटित कंपनियों में उनके शेयरधारक के भागदार पर उनको किसी भी तरह का कोई अधिकार उद्भूत नहीं होगा।

(ए) जहां विषटित कंपनियों में कोई शेयर नियत विन से पूर्व अन्तरित कर दिये गये हों, किन्तु वे नियत विन के पूर्व अन्तरित के रजिस्ट्रीकरण के लिये विषटित कंपनियों को प्राप्त नहीं हुए हों वहां ऐसे शेयरों के अन्तरिती उपर्युक्त उपचारण (इ) में विवरित यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा नियत तारीख को या उसके पूर्व यूल को नियमित प्रस्तुत करने पर —(i) अन्तरित की सम्यक रूप से नियादित निवधन और (ii) उपर्युक्त उपचारण (क) में उल्लिखित अनुपात में यूल के शेयर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये विषटित कंपनियों में शेयरों के संबंधित प्रमाणपत्र, के हकदार होंगे।

(ए) इस खण्ड में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, कंपनी विधि बोर्ड को इस खण्ड के निवधनों के अनुसार यूल द्वारा शेयरों के नियमन भी आवंटन के संबंध में किसी भी तरह के प्रश्न या कठिनाई का, चाहे जो भी हो, नियटारा करने का अधिकार होगा।

8. कराधान संबंधी उपचारण—नियत विन के पूर्व प्रत्येक विषटित कंपनी द्वारा किये गये कारबाह के लाभों और प्रभिजाभों के संबंध में

सभी कर यूल द्वारा उसी तरह संरेय होंगे, जिस तरह कि यदि यह आवेदन न हुआ होता तो प्रत्येक विषटित कंपनी द्वारा देय होते।

9. विषटित कंपनियों के विषमान अधिकारियों और कर्मचारियों संबंधी उपचारण—विषटित कंपनियों में नियत दिन से ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विषटित कंपनियों के निवेशकों को छोड़कर) नियत विन से यात्रास्थिति, यूल का अधिकारी या कर्मचारी, जब जायेगा और अपने पद पर या सेवा में उसी कार्यकाल तक और उन्हीं निवधनों तथा शर्तों पर उन्होंने अधिकारों और लियेषाधिकारों के साथ बना रहेगा, जिसके साथ वह, यदि यह आदेश नहीं हुआ होता तो विषटित कंपनियों के अवैत रहा होता और वह इस तरह तब तक बना रहेगा जब तक कि यूल में उसका नियोजन सम्पत्तः समाप्त नहीं हो जाता है या जब तक कि उसका पारिवर्त्यिक और नियोजन के विषमान तथा शर्त पारस्परिक सम्भति से सम्पत्तः परिवर्तित नहीं हो जाती है।

10. विषटित कंपनियों द्वारा स्थापित भविष्य निधि, अधिकारिकी निधि, कल्याण निधि या अन्य निधियां—विषटित कंपनियों भी यूल के सभी अधिकारी और कर्मचारी या तो राज्य निधि या यूल कर्मचारियों और संबंधित विषटित कंपनियों के कर्मचारियों के लाभ के लिये यूल द्वारा स्थापित अनेक भविष्य/अधिकारिकी निधि संस्थाओं के सदस्य हैं, और संबंधित विषटित कंपनियों में अपना-अपना अंगदान देती आ रही हैं। इस आदेश के अधार पर विषटित कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों के यूल के कर्मचारी बन जाने से, उक्त अधिकारी और कर्मचारी उक्त संबंधित निधियों के सदस्य बने रहेंगे और नियत विन से यूल इन कर्मचारियों के संबंध में अंशवान करता रहेगा।

11. विषटित कंपनियों के निवेशकों की स्थिति—विषटित कंपनियों का प्रत्येक निवेशक जो नियत दिन से ठीक पूर्व पद वारण कर रहा हो नियत विन को विषटित कंपनियों का निवेशक नहीं रह जायेगा।

12. विषटित कंपनियों के लेखापरीक्षक—विषटित कंपनियों के लेखापरीक्षक जो नियत विन के ठीक पूर्व अपने-अपने पद धारण किये हुए थे, नियत विन से उस रूप में लेखा परीक्षक नहीं रहेंगे।

13. विषटित कंपनियों के लाभों—इस आदेश में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, 31 भार्च, 1986 को समाप्त अपने लेखा वर्ष की बाबत अपने संबंधित शेयरों पर किसी विषटित कंपनी द्वारा बोधित और प्रदत लाभांश को, यदि कोई हो, इस आदेश के उपचारणों से अपवर्जित कर दिया जायेगा। जहां 31 भार्च, 1986 को समाप्त लेखा वर्ष तक लाभांशों की, यदि कोई हो, भौतिका की गई है, किन्तु किसी विषटित कंपनी द्वारा किसी भी कारण से उसका संबंध नहीं किया जा सका है, तो उसका संबंध भीर्या संबद्धार यूल द्वारा उसी तरह विधि के अनुसार किया जायेगा जैसे कि यदि यह आदेश नहीं हुआ होता तो विषटित कंपनियों करती।

14. कंपनियों का विषटन—इस आदेश के अन्य उपचारणों के प्रधीन रूप से हुए, नियत दिन से—

(क) बाबरहाट, बासपत्रिया, बूलगुरी, भिम, मरकुनाली और राजगढ़ में से प्रत्येक परिसमाप्तन के लिया विषटित हो जायेगी और कोई भी व्यक्ति किसी विषटित कंपनी या उसके निवेशक या अधिकारी के विषट ऐसे निवेशक या अधिकारी के रूप में उसकी उत्तरित में सिद्धाय इसके कि जहां तक इस आदेश के उपचारणों को प्रदतित करने के लिये आवश्यक हो, कोई धारा नहीं रखेगा या माय नहीं रखेगा या कार्यवाही नहीं करेगा; और

(ब) किसी भी विवित कंपनी के प्रत्येक सेयरधारक का उनमें से किसी शेयर के लिये या उसके संबंध में अधिकार समाप्त हो जायेगा और उसके पश्चात् ऐसा कोई सेयरधारक ऐसे किसी शेयर के संबंध में कोई काम नहीं रखेगा या काम नहीं करेगा या कार्यालयी नहीं करेगा।

15. कंपनी के रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :—कंपनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजवत्र में अधिवृत्ति किये जाने के पश्चात् यथार्थी इस आदेश की एक प्रति कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता को भेजेगा। इसके प्राप्त होने पर कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, यूल द्वारा विवित कोस का संवाद करने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश को एक प्रति के प्राप्त होने की तारीख से एक भास के भोतर उस 'रजिस्ट्रीकरण' को भ्रमने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। इसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल यूल की जिसके साथ विवित कंपनियां सम्मेलित की गई हैं, फाइल पर ऐसे सभी दस्तावेज रखेगा जो विवित कंपनियों के संबंध में उनके पास रजिस्ट्रीकृत अधिवृत्ति या फाइल किये गये हैं और उन्हें समेकित करेगा और ऐसे समेकित वस्तावेजों को भ्रमने फाइल में रखेगा।

16. परिवारी कंपनी के जापन और संगद-मन्त्रुष्टेद :—यूल के जापन और संगद-प्रत्युष्टेद जैसे वे नियत दिन के ठीक पूर्व वे नियत दिन से परिवारी कंपनी के जापन और संगद-प्रत्युष्टेद बत जायें।

[सं. 24/11/86-योग्ये ए -III]

कंपनी विधि बोर्ड के आदेशानुसार
र.नाथ बंशल, सदस्य, कंपनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 26th August, 1987

ORDER

S.O. 796(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that it is essential in public interest that Andrew Yule and Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) and its six tea subsidiaries, namely Banarhat Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1882 (6 of 1882), the Basmatia Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) the Hoolungooree Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1866 (10 of 1866), The Mim Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1866 (10 of 1866), the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, a company incorporated under the India Companies Act, 1913 (7 of 1913) and the Rajgarh Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913), each of these seven companies being a company within the meaning of section 3 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), should be amalgamated into a single company;

And, whereas a copy of the proposed order was sent in draft to the companies aforesaid, namely the Banarhat Tea Company Limited, the Basmatia Tea Company Limited, the Hoolungooree Tea Company Limited, the Mim Tea Company Limited, the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, the Rajgarh Tea Company Limited and the Andrew Yule and Company Limited and the objections or suggestions received from some of the shareholders have been considered by the Company Law Board.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No.

GSR-443(E) dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following order, namely :—

1. Short title.—This order may be called the Banarhat Tea Company Limited, the Basmatia Tea Company Limited, the Hoolungooree Tea Company Limited, the Mim Tea Company Limited, the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, the Rajgarh Tea Company Limited and the Andrew Yule and Company Limited (Amalgamation) Order, 1987.

2. Definitions : In this order unless the context otherwise requires;

- (a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved companies" mean the Banarhat Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Banarhat'), the Basmatia Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Basmatia'), the Hoolungooree Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Hoolungooree'), the Mim Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Mim'), the Murphulani (Assam) Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Murphulani'), and the Rajgarh Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Rajgarh');
- (c) "resulting company" means Andrew Yule and Company Limited (hereinafter referred to as 'Yule'),

3. Amalgamation of the Companies :

- (i) On and from the appointed day, the entire business and undertakings of the dissolved companies, subject to encumbrances thereof if any, in as is where is condition, including all properties, moveable, immovable and other assets of whatsoever nature including industrial and other licences and rights, quota rights, trade marks and other industrial property, rights, leases and tendency rights, benefits of all agreements, contracts, arrangements and all other interests, rights or powers of every kind, nature and description whatsoever (all such business, undertakings, properties assets, rights, licences, contracts and powers are hereinafter collectively referred to as 'the undertaking' for the sake of brevity) shall, without any further act or deed, be and the same shall stand transferred to and vested in and be deemed to have been transferred to and vested in Yule pursuant to the provisions of section 396 and other applicable provisions of the Companies Act, 1956, if any, which company (Yule) shall immediately on such transfer be deemed to be the company resulting from the amalgamation.
- (ii) On and from the appointed day all debts, liabilities (contingent or otherwise), duties and obligations of the dissolved companies including secured, unsecured debts of any of the public financial institutions as defined in section 4A of the Companies Act, 1956 under the respective mortgages, hypothecation deeds shall also be transferred without any further act or deed to Yule pursuant to the provisions of section 396 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 1956, so as to become the debts and liabilities, duties and obligations of Yule.
- (iii) For accounting purposes the amalgamation shall be affected with reference to the audited accounts and balance sheets as on 31st March, 1986 of the dissolved companies and the transactions thereafter shall be treated on account of Yule. The dissolved companies shall not be required to prepare their final accounts as on any later date and Yule shall take over all the assets and liabilities according to the audited balance-sheets as on 31st March, 1986 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation : "The undertakings of the dissolved companies" shall include all rights, powers, authorities and privileges and all properties, moveable or immovable including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such properties as may belong to, or be in the possession of the dissolved companies immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved companies.

4. Transfer of certain items of property : For the purpose of this order all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved companies as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits or both, if any, of the dissolved companies when transferred to the resulting company, i.e. Yule, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserve or deficits as the case may be of Yule.

On and from the 1st April, 1986, and up to the appointed day, the dissolved companies shall be deemed to have carried on their business and activities for and on behalf of and for the benefit of and on account of Yule.

5. Savings of contracts, etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of every kind to which the dissolved companies were parties, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall remain in full force and shall have effect against or in favour of Yule and may be enforced as fully and effectively as if instead of the dissolved companies Yule had been a party thereto.

6. Saving of legal proceedings.—If on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the dissolved companies be pending, the same shall not abate or be discontinued or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to Yule of the undertakings of the dissolved companies or of anything contained in this order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against Yule in the same manner and to the same extent as it would or might be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved companies if this order had not been made.

7. Rights of the holders of shares in dissolved companies :

(a) **Banarhat.**—The issued and subscribed share capital of Rs. 97,02,400 is made up of (i) Rs. 4,00,000 divided upto 4,000 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares of Rs. 100 each, (ii) Rs. 11,12,400 divided into 11,124 fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares of Rs. 100 each, and (iii) Rs. 81,90,000 divided into 81,900 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 1,783 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 1,865 fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 41,582 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Banarhat are held by Yule on the appointed day. Consequently there be no issue of Shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 1,783 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 1,865 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 41,582 Ordinary Shares in the capital of Banarhat and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining 2,217 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First preference Shares, 9,259 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 40,318 Ordinary Shares in the capital of Banarhat, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid shares of 2,217 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 9,259 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 40,318 Ordinary Shares in Banarhat in the proportion of (i) 1 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Share of Rs. 100 each in Yule for every fully paid 6-1/2 per cent

free of income-tax Cumulative First Preference Share of Rs. 100 each in Banarhat, (ii) 1 fully paid 9.3 per cent Second Preference Share of Rs. 100 each in Yule for every fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Share of Rs. 100 each in Banarhat and (iii) 314 fully paid ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each in Banarhat held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Banarhat.

Basmatia.—The issued and subscribed share capital of Rs. 18,36,000 is divided into 1,83,600 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of the above total shares, 95,228 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Basmatia are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 95,228 Ordinary Shares in the capital of Basmatia, and the aforesaid shares in the capital of Basmatia, shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining 88,372 Ordinary Shares in the capital of Basmatia, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 88,372 Ordinary Shares in Basmatia, Ordinary Shares, in Yule in the proportion of 25 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Basmatia held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the relative share certificate(s) of Basmatia.

Hoolungooree.—The issued and subscribed share capital of Rs. 17,40,000 is divided into 17,400 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 9,868 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Hoolungooree are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 9868 Ordinary Shares in the Capital Hoolungooree, and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining, 7532 Ordinary Shares in the capital of Hoolungooree, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 7,532 Ordinary Shares in Hoolungooree, Ordinary Shares in Yule in the proportion of 70 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary shares of Rs. 100 each in Hoolungooree held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Hoolungooree.

Mim.—The issue and subscribed share capital of Rs. 4,77,000 is divided into 4,770 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 2,055 fully paid Ordinary Shares and 450 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Mim are held by Yule and Banarhat respectively on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holding of 2,055 Ordinary Shares in the capital of Mim and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

Since the undertaking of Banarhat is vested in Yule, by virtue of this order, the aforesaid holding of 450 Ordinary Shares of Banarhat in the share capital of Mim shall stand cancelled and there will be no issue of shares by Yule because of the amalgamation of Mim with Yule by virtue of this order.

As to the remaining 2,265 Ordinary Shares in the capital of Mim, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 2,265 Ordinary Shares in Mim, Ordinary Shares in Yule in the proportion of 38 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 100 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each in Mim held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Mim.

Murphulani.—The issued and subscribed share capital of Rs. 10,00,000 is made up of (i) Rs. 2,00,000 divided into 20,000 fully paid Preferred Ordinary Shares of Rs. 10 each, and (ii) Rs. 8,00,000 divided into 80,000 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of that above total shares, 11,676 fully paid Preferred Ordinary Shares and 47,863 fully paid Ordinary Shares in the capital of Murphulani are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of the aforesaid holding of 11,676 Preferred Ordinary Shares and 47,863 Ordinary Shares in the capital of Murphulani and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this Order.

As to the remaining, 8,324 Preferred Ordinary Shares and 32,137 Ordinary Shares in the capital of Murphulani, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 8,324 Preferred Ordinary Shares and 32,137 Ordinary Shares in Murphulani. Ordinary Shares in Yule in the proportion of (i) 23 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Preferred Ordinary Shares of Rs. 10 each in Murphulani, and (ii) 22 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Murphulani held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the respective share certificate(s) of Murphulani.

Rajgarh.—The issued and subscribed share capital of Rs. 24,00,000 is divided into 2,40,000 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of the above total shares, 1,76,908 fully paid Ordinary in the paid up capital of Rajgarh are held by Yule on the appointed day. Consequently there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 1,76,908 Ordinary Shares in the capital of Rajgarh, and the aforesaid shares stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining, 63,092 Ordinary Shares in the capital of Rajgarh, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 63,092 Ordinary Shares in Rajgarh Ordinary Shares in Yule in the proportion of 40 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Rajgarh held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the relative share certificate(s) of Rajgarh.

(b) The Preference and Ordinary Shares to be so issued and allotted by Yule shall in all respects rank pari passu with the existing issued Preference and Ordinary Shares of Yule.

(c) If the allotment of the shares by Yule in terms of sub-clause (a) above involves fractions then such fractions in respect of each of the dissolved companies shall be consolidated and the shares so consolidated shall be allotted by the Board of Directors of Yule to any one or more of the Directors or employees of Yule who shall sell the said consolidated shares at such price or prices and upon such terms and conditions as may be approved by the Board of Directors of Yule and the net sale proceeds thereof in respect of each of the dissolved companies shall be distributed amongst the concerned holders of the shares in the dissolved companies who would otherwise have been entitled to such fractions in proportion to their respective entitlements.

(d) The allotment of the Preference Ordinary Shares by Yule and payment according to sub-clauses (a) and (c) above to a non-resident member of the dissolved companies shall be subject to the approval of Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).

(e) Yule shall cause to be published in the Gazette of India and send by registered post to every holder of shares in each of the dissolved companies (other than to Yule in respect of its holdings in the dissolved companies and to Banarhat in respect of its holdings in Mim) whose name is entered in the Register of Members of the dissolved companies on the date referred to in sub-clause (a) above, a notice giving particulars of the allotment of new shares by Yule & the disposal of fractional shares in the manner provided in sub-clause (c) above. The above notice shall also mention a date to be fixed by the Board of Directors of Yule within which the respective holders of the shares in the dissolved companies (other than to Yule in respect of its holdings in Mim) shall surrender to Yule the relative certificate(s) for the shares in the dissolved companies and upon such surrender Yule will (i) issue to them certificate(s) for shares in Yule allotted under sub-clause (a) above, and (ii) make payment where due, in terms of sub-clause (c) above.

A notice shall also be published by Yule in at least two newspapers (one of which shall be in regional language) notifying the despatch of the notices of allotment of shares to the shareholders of the dissolved companies. Upon issue of the new shares by Yule to the shareholders of the dissolved companies standing on the Registers of Members on the aforesaid day in accordance with the Scheme of Amalgamation, the share certificate(s) in respect of the shares held by them in the dissolved companies shall be deemed to have been cancelled and no rights of any kind shall accrue to them by virtue of their shareholderings in the dissolved companies.

(f) Where any shares in the dissolved companies have been duly transferred before the appointed day but they have not been received by the dissolved companies for registration of the transfer before the appointed day, the transferee of such shares shall be entitled upon submission to Yule on or before the date fixed by the Board of Directors of Yule as referred to in sub-clause (e) above (i) the duly executed instrument of transfer, and (ii) the relative certificate(s) of shares in the dissolved companies to receive the certificate(s) of shares in Yule in the proportion mentioned in sub-clause (a) above.

(g) Notwithstanding anything contained in this clause the Company Law Board shall have power to settle any question or difficulty whatsoever in regard to the issue and allotment of shares by Yule in terms of this clause.

8. Provision with respect to taxation : All taxes in respect of the profits and gains of the business carried on by each of the dissolved companies before the appointed day shall be payable by Yule to the same extent as would have been payable by each of the dissolved companies if this order had not been made.

9. Provisions respecting existing Officers and Employees of the dissolved companies : Every whole-time Officer or other employee (excluding the Directors of the dissolved companies) employed immediately before the appointed day in the dissolved companies, shall as from the appointed day become an Officer or employee as the case may be of Yule and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions with the same rights and privileges as he would have held under the dissolved companies if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in Yule is duly terminated or until his remuneration and other terms and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Provident Fund, Superannuation Fund, Welfare Fund or other Funds established by dissolved companies : All Officers and employees of the dissolved companies and Yule are members either of the State Fund or the several Provident/Superannuation Fund Institutions established by Yule for the benefit of the employees of Yule and the employees of the respective dissolved companies, and the respective dissolved companies have been making their respective contributions to the said Funds. With the Officers and employees

of the dissolved companies becoming the employees of Yule by virtue of this order, the said Officers and employees shall continue to remain members of the said respective Funds and Yule shall with effect from the appointed day continue to make the contributions to the said Funds in respect of these employees.

11. Position of Directors of dissolved companies : Every Director of the dissolved companies holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved companies on the appointed day.

12. Auditors of dissolved companies : The auditors of the dissolved companies holding their respective offices immediately before the appointed day shall cease to be the auditors as such with effect from the appointed day.

13. Dividend of dissolved companies : Notwithstanding anything contained in this order, divided, if any, declared and paid by any of the dissolved companies on their respective shares in respect of their accounting year ended 31st March, 1986 shall be excluded from the provisions of this order. Where dividends, if any, upto the accounting year ended 31st March, 1986 declared but could not be paid by any reason by any of the dissolved companies shall be accordingly paid and/or dealt with by Yule in accordance with the law as the dissolved companies would have done if this order had not been made.

14. Dissolution of Companies : Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day :

(a) each of Banarhat, Basmatia, Hoolungooree, Mim, Murphulani and Rajgarh shall be dissolved without winding up and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against any of the dissolved companies or against a Director or Officer thereof in his capacity as such Director or

Officer except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order; and

(b) the right of every shareholder of any of the dissolved companies to or in respect of any share in any of them shall be extinguished and thereafter no such shareholder shall make, assert or take any claims, demands or proceedings in respect of any such share.

15. Registration of the Order by the Registrar of Companies : The Company Law Board shall, as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, West Bengal in Calcutta copy of this order on receipt of which the Registrar of Companies, West Bengal shall register the Order on payment of the prescribed fees by Yule and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter the Registrar of Companies, West Bengal shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved companies on the file of Yule with whom the dissolved companies have been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

16. Memorandum and Articles of Association of the resulting Company : The Memorandum and Articles of Association of Yule as they stood immediately before the appointed day, shall, as from the appointed day continue to be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[No. 24/11/86-CLIU]

By Order of the
Company Law Board,
RAM BANSAL, Member,
Company Law Board